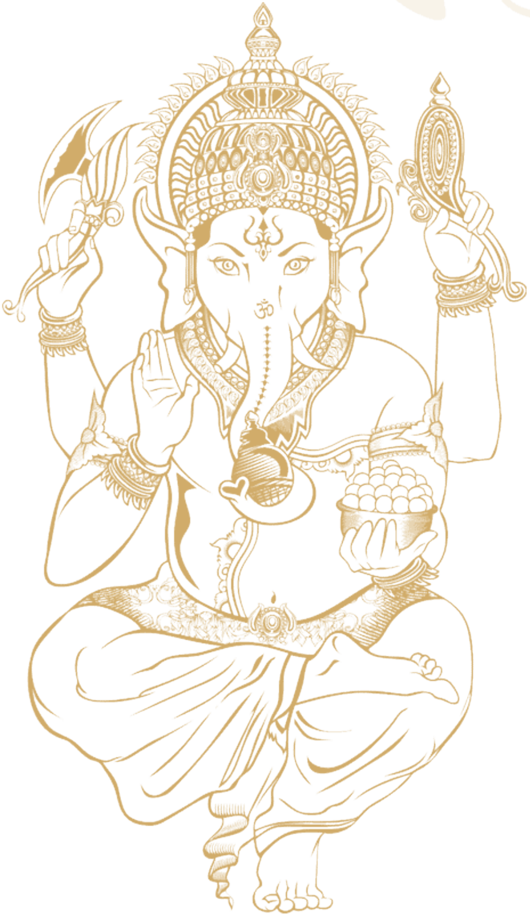

15 Aug 2002

01:20 AM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121253408

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/08/2002**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:20:00 घंटे**
इष्ट	49:44:37 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:25:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:44 घंटे
साम्पातिक काल	22:57:27 घंटे
सूर्योदय	05:26:09 घंटे
सूर्यास्त	18:32:22 घंटे
दिनमान	13:06:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:57:22 कर्क
लग्न के अंश	03:12:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:12:10	335:12:31	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	27:57:22	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	20:11:10	14:01:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	26:41:55	00:38:15	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			सिंह	19:48:24	01:31:05	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	08:59:07	00:12:59	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	13:45:16	01:00:29	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	नीच राशि
शनि			मिथु	02:20:49	00:05:30	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	21:34:59	00:00:45	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	21:34:59	00:00:45	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:10:25	00:02:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:20:59	00:01:35	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:02:49	00:00:22	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	19:08:14	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:22

लग्न-चलित

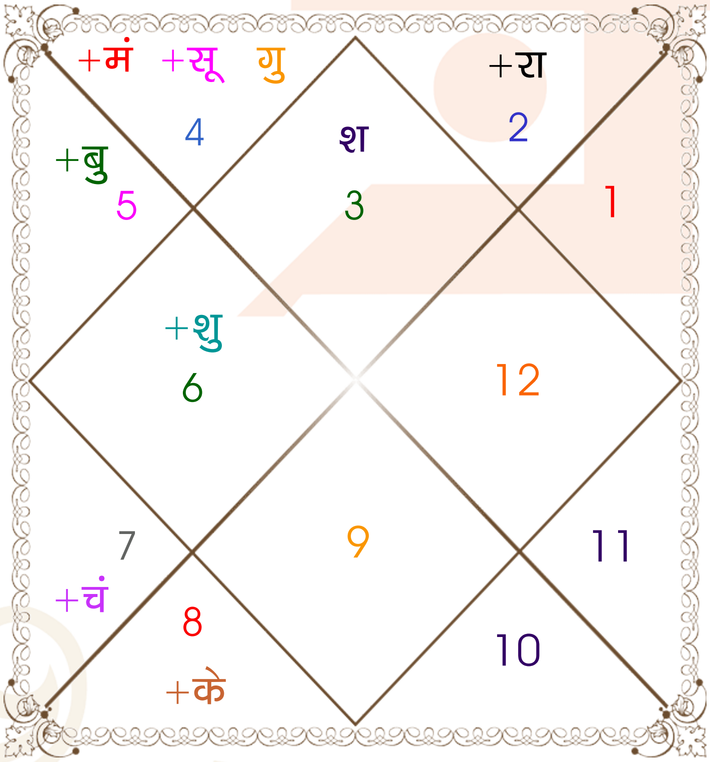

चन्द्र कुंडली

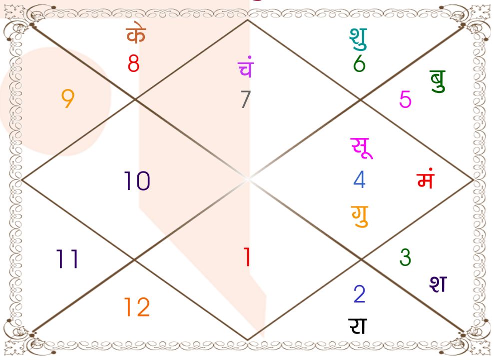

नवमांश कुंडली

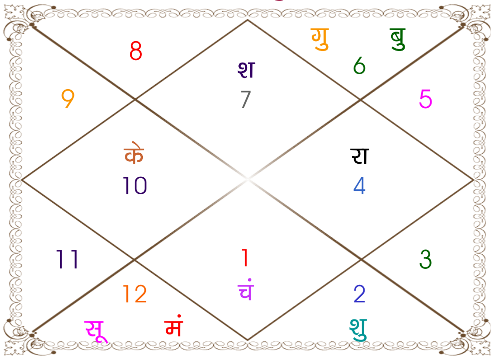

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 9 मास 9 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/08/2002		25/05/2018		25/05/2037		25/05/2054		25/05/2061	
25/05/2018		25/05/2037		25/05/2054		25/05/2061		25/05/2081	
गुरु	12/07/2004	शनि	28/05/2021	बुध	21/10/2039	केतु	21/10/2054	शुक्र	23/09/2064
शनि	24/01/2007	बुध	05/02/2024	केतु	18/10/2040	शुक्र	21/12/2055	सूर्य	24/09/2065
बुध	30/04/2009	केतु	16/03/2025	शुक्र	18/08/2043	सूर्य	27/04/2056	चंद्र	25/05/2067
केतु	06/04/2010	शुक्र	15/05/2028	सूर्य	24/06/2044	चंद्र	26/11/2056	मंगल	24/07/2068
शुक्र	05/12/2012	सूर्य	27/04/2029	चंद्र	23/11/2045	मंगल	24/04/2057	राहु	25/07/2071
सूर्य	24/09/2013	चंद्र	27/11/2030	मंगल	21/11/2046	राहु	13/05/2058	गुरु	25/03/2074
चंद्र	24/01/2015	मंगल	06/01/2032	राहु	09/06/2049	गुरु	19/04/2059	शनि	25/05/2077
मंगल	30/12/2015	राहु	11/11/2034	गुरु	15/09/2051	शनि	28/05/2060	बुध	25/03/2080
राहु	25/05/2018	गुरु	25/05/2037	शनि	25/05/2054	बुध	25/05/2061	केतु	25/05/2081

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/05/2081		25/05/2087		25/05/2097		26/05/2104		26/05/2122	
25/05/2087		25/05/2097		26/05/2104		26/05/2122		00/00/0000	
सूर्य	11/09/2081	चंद्र	25/03/2088	मंगल	21/10/2097	राहु	06/02/2107	गुरु	16/08/2122
चंद्र	13/03/2082	मंगल	24/10/2088	राहु	08/11/2098	गुरु	01/07/2109		00/00/0000
मंगल	19/07/2082	राहु	25/04/2090	गुरु	15/10/2099	शनि	07/05/2112		00/00/0000
राहु	13/06/2083	गुरु	25/08/2091	शनि	24/11/2100	बुध	25/11/2114		00/00/0000
गुरु	31/03/2084	शनि	25/03/2093	बुध	21/11/2101	केतु	13/12/2115		00/00/0000
शनि	13/03/2085	बुध	24/08/2094	केतु	19/04/2102	शुक्र	13/12/2118		00/00/0000
बुध	17/01/2086	केतु	25/03/2095	शुक्र	20/06/2103	सूर्य	07/11/2119		00/00/0000
केतु	25/05/2086	शुक्र	23/11/2096	सूर्य	25/10/2103	चंद्र	08/05/2121		00/00/0000
शुक्र	25/05/2087	सूर्य	25/05/2097	चंद्र	26/05/2104	मंगल	26/05/2122		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 9 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।